



## प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के अवसर पर साहित्य अकादेमी ने किया विशेष आयोजन

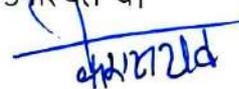
अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक संघ की अध्यक्ष केराईन पैन्सा ने दिया वक्तव्य

लेखकों, प्रकाशकों और अनुवादकों के वैश्विक अधिकारों पर रखे अपने विचार

नई दिल्ली, 12 फरवरी 2024 - नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के अवसर पर साहित्य अकादेमी सभाकक्ष में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में ब्राजील से पधारी अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक संघ की अध्यक्ष केराईन पैन्सा ने विश्व में प्रकाशन उद्योग के सामने आ रही चुनौतियों और कॉपीराइट उलंघन की समस्या से निपटने के बारे में अपने विचार वक्तव्य किए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक संघ द्वारा लेखकों, प्रकाशकों और अनुवादकों के अधिकारों पर निर्धारित नीतियों के बारे में अपने विस्तृत विचार रखे। उन्होंने प्रकाशन उद्योग के सामने निरंतर आ रही इस समस्या को सुलझाने और इसकी व्यापक समझ पैदा करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी विस्तार से बताया। कार्यक्रम में उपस्थित भारतीय प्रकाशक संघ के कई सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि एआई और तकनीकी के लगातार बढ़ते प्रयोग के कारण कॉपीराइट उलंघन से इस समस्या में और वृद्धि हुई है और लेखक अपने अधिकारों की सुरक्षा को लेकर असमंजस की स्थिति में हैं। लेखकों की इस समस्या को दूर करने के लिए और प्रकाशकों पर भरोसा करने के प्रयासों पर भी उन्होंने विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराम ने उनका स्वागत अंगवस्त्रम् एवं साहित्य अकादेमी की पुस्तकें भेंट करके किया। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में प्रकाशकों, लेखकों और अनुवादकों के बीच के संबंधों ने लंबी दूरी तय की है और अब वे तकनीकी के बढ़ते प्रयोग के कारण नई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। केराईन पैन्सा के साथ यह कार्यक्रम प्रकाशक उद्योग में प्रकाशकों और लेखकों के बीच कॉपीराइट उलंघन को लेकर अधिक सजग और संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से रखी गई है।

कार्यक्रम में अबूधाबी अरेबिक लैंग्वेज सेंटर के इब्राहिम मोहम्मद अलसलमा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर भारतीय प्रकाशक संघ के प्रणव गुप्ता, रमेश मित्तल, नवीन गुप्ता, अशोक के. गुप्ता एवं कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

  
(के. श्रीनिवासराम)